हर इंसान-एक समान | एक राष्ट्र-एक जान | मेरा भारत महान

समता आन्दोलन समिति (रजि.)

प्रान्तीय कार्यालय : जी-3, संगम रेजीडेन्सी, प्लाट नं. 9-10, गंगाराम की ढाणी, वैशाली नगर, जयपुर

Website :www.samtaandolan.co.in Email :samtaandolan@yahoo.in

माननीय श्री पानाचन्द जैन – संरक्षक (पूर्व न्यायाधिपति)
माननीय श्री अशोक कुमार सिंह – संरक्षक (पूर्व मेजर जनरल)
माननीय श्री भागीरथ शर्मा – संरक्षक (पूर्व आई. ए. एस.)

श्री इकराम राजस्थानी
सलाहकार, मो. 098290-[illegible]

पाराशर नारायण शर्मा
अध्यक्ष, मो. 094133-89665

विमल चौरड़िया
महासचिव , मो. 094140-58289

ललित चाचाण
कोषाध्यक्ष , मो. 094140-95368

प्रान्तीय उपाध्यक्ष एवं पदेन सम्भागीय अध्यक्ष :-

जयपुर
ऋषिराज राठौड़
मो. 9694348039

अजमेर
एन. के.झामड़
मो. 9414008416

बीकानेर
वाई. के. योगी
मो. 9414139621

भरतपुर
हेमराज गोयल
मो. 9460926850

जोधपुर
प्रहलाद सिंह राठौड़
मो. 9414085447

कोटा
डॉ. अनिल शर्मा
मो. 9414662244

उदयपुर
दूल्हा सिंह चूण्डावत
मो. 9571875488

क्रमांक S2710 दिनांक : 12.09.2020

श्रीमान बी. डी. कल्ला साहेब,
उर्जा मंत्री, राजस्थान सरकार,
शासन सचिवालय,
जयपुर ।

विषयः– विद्युत दर कम करने बाबत।
संदर्भः– राजस्थान पत्रिका दिनांक 10.09.2020 क मुख्य पृष्ठ पर छपी खबर।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि कृपया राजस्थान पत्रिका दिनांक 10.09.2020 के प्रमुख पृष्ठ पर छपी खबर का अवलोकन करें। इस खबर से प्रकट होता है कि जम्मू–कश्मीर, गोवा, हिमाचल, तमिलनाडु और छत्तीसगढ जैसे अपेक्षाकृत कमजोर और पिछड़े राज्यों की भी विद्युत की घरेलू और कृषि दरें राजस्थान राज्य में लागू दरों से काफी कम हैं। खबर :–

करंट मारता बिल : 22 राज्यों में तीसरे पायदान पर आया राजस्थान

महाराष्ट्र, मप्र के बाद सबसे महंगी हमारी बिजली

पत्रिका पड़ताल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. बिजली बिल (सरचार्ज, सेस सहित) में बेतहाशा बढ़ोत्तरी के मामले में राजस्थान देश में तीसरे पायदान पर पहुंच गया है। चिह्नित घरेलू श्रेणी में महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश, कृषि श्रेणी में महाराष्ट्र व बिहार के बाद राजस्थान अव्वल है।

यहां 500 यूनिट तक बिजली उपभोग कर रहे घरेलू उपभोक्ता को हर माह 4190 रुपए देने पड़ रहे हैं जबकि पंजाब, दिल्ली, यूपी, बिहार, हरियाणा के शहरों में यह शुल्क 3300 से 3840 रुपए तक है। दिल्ली में तो घरेलू उपभोक्ता स्लैब में दर 2.73 रुपए प्रति यूनिट तक कम है।

पढ़ें महाराष्ट्र @ पेज 07

कहां क्या आ रहा बिल

(अन्य शहरों में 200 यूनिट तक किलोवॉट आधार पर प्रतिमाह बिल राशि, जबकि जयपुर में स्थाई शुल्क है आधार)

यहां सबसे महंगी (₹/यूनिट)

राज्य	घरेलू दर	कृषि दर
महाराष्ट्र	11.11	3.81
मध्यप्रदेश	8.27	5.99
राजस्थान	8.13	5.95
बिहार	8.07	5.95
कर्नाटक	7.79	3.90

यहां सबसे सस्ती बिजली

राज्य	घरेलू दर	कृषि दर
जम्मू-कश्मीर	2.83	0.91
गोवा	3.15	1.92
हिमाचल	3.36	1.05
तमिलनाडु	3.51	3.22
छत्तीसगढ़	5.08	5.38

(घरेलू श्रेणी में 500 यूनिट प्रतिमाह, कृषि श्रेणी में 7.5 किलोवॉट व 817 यूनिट तक उपभोग के आधार पर। फ्यूल सरचार्ज, सेस व अन्य कर अलग हैं। कृषि उपभोक्ताओं को ज्यादातर राज्यों में सब्सिडी मिल रही है। राजस्थान में ₹5.95 यूनिट दर तय है। इसमें से ₹4.95 सब्सिडी है)

टैरिफ के अलावा 5 सरचार्ज-कर का बोझ भी हम पर

- **अरबन सेस:** शहरी उपभोक्ताओं से 15 पैसे प्रति यूनिट।
- **इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी:** सभी उपभोक्ताओं से 40 पैसे प्रति यूनिट।
- **जल संरक्षण उपकर:** 10 पैसे प्रति यूनिट वसूली। ग्रामीण उपभोक्ता इसमें शामिल नहीं।
- **फ्यूल सरचार्ज:** अभी 30 पैसे प्रति यूनिट तय किया, जो सितम्बर से नवम्बर के बीच हर माह 10 पैसे प्रति यूनिट लेंगे।
- **अडानी भुगतान भार:** अडानी पावर के 2700 करोड़ रुपए चुकाने का भार 1.20 करोड़ उपभोक्ताओं पर डाला। 36 माह तक 5 पैसे प्रति यूनिट वसूली।

आपका ध्यान इस ओर आकृष्ट करते हुये हमारा निवेदन है कि इन राज्यों की परिस्थितियों और राजस्थान राज्य की परिस्थितियों का अवलोकन करते हुये विद्युत उत्पादन लागत, विद्युत वितरण लागत, विद्युत छीजत, विद्युत चोरी और विद्युत कम्पनियों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाते हुये राजस्थान राज्य की विद्युत दरों को भी सभी राज्यों से न्यूनतम स्तर तक लाकर प्रदेश के करोड़ों नागरिकों को राहत पहुंचाने का कष्ट करें।

धन्यवाद,

भवदीय,

पाराशर नारायण शर्मा
अध्यक्ष

प्रतिः– सभी माननीय विधायकों को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।